P-992

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

MA Hindi (MAHL)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. लोक साहित्य का परिचय देते हुए लोक साहित्य और अभिजात साहित्य में अंतर बताइए।

2. लोक साहित्य संकलन कर्ता के अपेक्षित गुण अथवा विशेषताएं बताइए।

3. लोक साहित्य संग्रह की प्रमुख समस्याओं का उल्लेख करते हुए उनके समाधान बताइए।

4. कुमाऊनी लोककथाओं का परिचय देते हुए कुमाऊनी लोककथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

5. गढ़वाली लोककथाओं का परिचय देते हुए गढ़वाली लोककथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. कुमाऊनी लोक गीतों का परिचय दीजिए।

2. गढ़वाली लोक गीतों का परिचय दीजिए।

3. कुमाऊनी लोक साहित्य के वर्तमान स्वरूप पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

4. गढ़वाली लोकसाहित्य के वर्तमान स्वरूप में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. न्यौली गीत का उदाहरण सहित संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. खुदेड़ गीत एवं सामूहिक गीत थड्या, चौफुंला का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. लोक साहित्य के वर्तमान में क्या महत्त्व है संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. लोक गाथाओं के एतिहासिक स्वरूप पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।